# बिहार के 16 शहरों में 1136 करोड़ की लागत से एसटीपी व ड्रेनेज सिस्टिम बनाए जाएंगे

## चर्चा में क्यों?

23 दिसिंबर, 2022 को मीडिया से मिली जानकारी के अनुसार बिहार के 16 शहरों में जलजमाव व गंदे पानी की निकासी को लेकर 1136 करोड़ की लागत से सीवरेज ट्रीटमेंट प्लांट (एसटीपी) व ड्रेनेज निर्माण को लेकर योजना तैयार की गई है। इन योजनाओं का विस्तृत प्लान (डीपीआर) तैयार कर राज्य व केंद्र सरकार को मंज़ूरी के लिये भेजा गया है।

## प्रमुख बिंदु

- शहरों की ज़रूरत को देखते हुए ड्रेनेज नेटवर्क और एसटीपी की योजनाएँ तैयार की गई हैं। डीपीआर के मुताबिक किशनगंज, रक्सौल और मोतीहारी शहर में अलग-अलग क्षमता के तीन-2 सीवरेज ट्रीटमेंट प्लांट लगेंगे, वहीं जमुई, सहरसा और दरभंगा में दो-दो एसटीपी लगाए जाएंगे।
- स्टेट प्रोजेक्ट मैनेजमेंट ग्रुप (एसपीएमजी) और नेशनल मिशन फॉर क्लीन गंगा की मंज़ूरी मिलते ही विधिवत रूप से टेंडर प्रक्रिया व एजेंसी का चयन कर काम शुरू कर दिया जाएगा।
- इसके अलावा राज्य के पाँच शहरों आरा, बेतिया, कटिहार, जमालपुर, जोगबनी में सीवरेज नेटवर्क और एसटीपी के लिये डीपीआर निर्माण की प्रक्रिया चल रही है।
- आधिकारिक जानकारी के मुताबिक राज्य के 16 में से 3 शहरों दिघवारा, मनिहारी और तेघड़ा में फीकल सल्ज ट्रीटमेंट प्लांट (मानव मल प्रबंधन) पर काम होगा। इस प्लांट के ज़रिये शौचालय टैंक के गाद से जैविक खाद बनाई जाएगी।
- ट्रीटमेंट प्लांट से यहाँ आने वाली गंदगी को निस्तारित कर खाद बनाया जाएगा व पानी को साफ कर दूसरे प्रयोगों में लाया जाएगा।
- विदित है कि वर्तमान में राज्य में सेप्टिक टैंक के गाद को टैंकों में भरकर खुले में सड़क के किनारे गिरा दिया जाता है, जिससे पर्यावरण प्रदूषित होता है।

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/36-crore